GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS PG COLLEGE, RAJNANDGAON, CG

AFFILIATED TO

Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg

Reaccredited B++ by NAAC

DEPARTMENT OF BOTANY

BEST PRACTICES 2023-24

TREE PLANTING PROGRAM

On 28/07/2023, in collaboration with the Botany Department of Digvijay College, under the guidance of Principal Dr. K.L. Tadekar, tree plantation work was done by the Honorable Vice Chancellor Dr. Aruna Palata and Dean of Student Welfare Dr. Prashant Srivastava, Hemchand Yadav University Durg in the college premises. The Honorable Vice Chancellor supported the tree plantation program and highlighted the importance of keeping the college green and planting trees. In this program, Dr. Anita Maheshwar, Head of the Department of Botany, Assistant Professor Dr. Trilok Kumar, Dr. Sonal Mishra, Dr. Keshav Ram Adil, Dr. Kiran Jain, Mohit Sahu and MSc Botany pre and final year students were present.

न्यूज डायरी

पर्यावरण संरक्षण के लिए एक-एक पौधे जरुर लगाये- डॉ. पल्टा

राजनांदगांव. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव की गरिमामय उपस्थिति में सघन पौधरोपण का कार्य किया गया. कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा द्वारा सुव्यवस्थित पौधरोपण के कार्यक्रम की सराहना की और कहा किप्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने के लिए एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए एकदृएक पौधे सभी के द्वारा लगाया जाना चाहिए और कहा कि पर्यावरण के प्रति सबको सजग एवं जागरूक होने की जरुरत है. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाडेकर एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने पौधरोपण के महत्त्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करने पौधों को संरक्षित करने की आवश्यकता है. इस अवसर परमहाविद्यालय परिसर को हरा भरा करने हेतु विविध प्रकार के शोभाकारी पौधों एवं औषधी पौधों का रोपण किया गया. इस कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र के विभागाध्याक्ष डॉ. अनिता महिश्वर, सहायक प्राध्यापक डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ. किरण जैन, मोहित साहू एवं एमएससी वनस्पति शास्त्र पूर्व व अंतिम के विधार्थी उपस्थित थे. दिग्विजय महाविद्यालय के गार्डन विकास समिति के संयोजक डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. केशव राम आडिल, हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, लेखा प्रसाद उर्वासा, संजय देवांगन, वंदना मिश्रा, श्रीमती करुना रावटे ने इस पौध रोपण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता दी.

दिग्विजय परिसर हरा-भरा होगा

एक-एक पौधे जरूर लगाए-कुलपति-पल्टा

राजनांदगांव। दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव की उपस्थिति में पौधरोपण का कार्य किया गया। कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा पौधरोपण के कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने के लिए एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए एक-एक पौधे सभी के द्वारा लगाया जाना चाहिए और कहा कि पर्यावरण के प्रति सबको सजग एवं जागरूक होने की जरुरत है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाडेकर एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने पौधरोपण के महत्त्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करने पौधों को संरक्षित करने की आवश्यकता है। इस अवसर परमहाविद्यालय परिसर को हरा भरा करने हेतु विविध प्रकार के शोभाकारी पौधों एवं औषधी पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र की विभागाध्याक्ष डॉ. अनिता महिश्वर, सहायक प्राध्यापक डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ. किरण जैन, श्रीमोहित साहू एवं एमएससी वनस्पति शास्त्र पूर्व व अंतिम के विधार्थी उपस्थित थे।

WORLD TOURISM DAY CELEBRATED IN BOTANY DEPARTMENT

Last days 27/09/2023Sha. Principal of Digvijay Mahavidyalaya, Rajnandgaon, Dr. Under the guidance of K.L. Tandekar and Head of the Department, Dr. World Tourism Day was organized under the direction of Anita Mahiswar.

Program conducted by Dr. Trilokdev spoke on the occasion in which he told the students about various aspects related to tourism, which included topics like why tourism day is celebrated, benefits of tourism and requirements of tourism. He told that tourism day is celebrated to create awareness about tourism among people and to promote more and more tourism among people. This day was started in 1980 by the United Nations World Tourism Organization. Apart from this, he told that tourism definitely impacts social, cultural, political and economic values around the world. Dr. Anita Mahiswar gave information about the purpose and importance of tourism on World Tourism Day. Tourism is the only medium through which people get an opportunity to connect and know about different cultures. Tourism provides employment opportunities especially for women and youth in rural and big cities. On the occasion of this tourism day, students of MSc previous and final year, Mamkumar, Khushalchand and Usha Sahu shared their views related to tourism and gave information about the main tourist places of Chhattisgarh. In the end, the head of the department shared his experience of educational tour to Puri (Orissa) related to tourism and how the vegetation, food, climate and culture of Chhattisgarh are different from Puri (Orissa).

Assistant Professor of the department Dr. Sonal Mishra, Dr. Keshavram Adil, Dr. Kiran Jain, Mohit Sahu and all the students were present.

दिग्विजय महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग में मनाया गया विश्व पर्यटन दिवस

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शा. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर के निर्देशन में विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिलोक देव ने किया जिसमे उन्होंने पर्यटन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपनी बातों को छात्र-छात्राओं को बताया, जिसमें पर्यटन दिवस क्यों मनाया जाता है, पर्यटन के लाभ तथा पर्यटन की आवश्यकताओं जैसे विषय शामिल थे । इन्होने बताया कि पर्यटन दिवस लोगों में पर्यटन के प्रति जागरूकता लाने और लोगों में ज्यादा से ज्यादा पर्यटन को बढ़ाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के द्वारा 1980 में की गई थी। इसके अतिरिक्त इन्होने बताया कि दुनिया भर में पर्यटन से सामाजिक सांस्कृतिक राजनीतिक और आर्थिक मूल्य पर निश्चित रूप से प्रभाव पड़ता है। डॉ. अनिता महिस्वर ने विश्व पर्यटन दिवस में पर्यटन का उद्देश्य एवं महत्व के बारे में जानकारी दी । पर्यटन ही वह माध्यम है जिससे अलग-अलग संस्कृति से लोगों को जोड़ने और जानने का अवसर मिलता है। पर्यटन ग्रामीण एवं बड़े शहरों में खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं । इस पर्यटन दिवस के अवसर पर एमएससी प्रीवियस एवं फाइनल ईयर के विद्यार्थियों नेम कुमार, खुशाल चंद तथा उषा साहू ने पर्यटन से संबंधित अपने विचार रखें और छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दी द्य अंत में विभागाध्यक्ष ने पर्यटन से संबंधित अपने पुरी (उड़ीसा) शैक्षिक भ्रमण का अनुभव साझा किया की किस प्रकार छत्तीसगढ़ की वनस्पति, खान-पान, जलवायु एवं संस्कृति पुरी (उड़ीसा) से अलग है।

"WORLD FOOD DAY" WAS CELEBRATED IN THE DEPARTMENT OF BOTANY

World Food Day was celebrated in the Department of Botany on 16 October 2023 in which the Head of the Department of Botany and other professors along with the students of MSc first and last semester were present. The program was conducted by Dr. Trilok Kumar. Dr. Trilok told why World Food Day is celebrated, what are its benefits and what are its objectives. On the occasion of this Food Day, M.Sc. final year student Tejaswini Dhurve told that the United Nations established the Food and Agriculture Organization in Rome on 16 October 1945 and told the theme of this day in the year 2023 that "Water is life, water is food" How to develop awareness among people towards food and also told its importance. After this, Bhanu Uke expressed his views and told that according to the United Nations (Global Hunger Index 2023), 36 million people die every year in the world due to starvation. Explaining the importance of food at the global level, he told that on an average 74kg of food is wasted by each family every year. According to UNEP, 93.1 lakh tonnes of food got wasted in the garbage all over the world in the year 2021. India is ranked 111 out of 125 countries in the Hunger Index of 2023. Also, Bhanu told what can be the harm due to wastage of food in the programs held at rural and urban level.

Thereafter, Khushal Chand Sahu told that information related to prevention of hunger and malnutrition was given through various schemes running at the national and world level. He gave his views about PM Poshan Yojana (Mid Day Meal), Eat Right Challenge, Food Safety Mitra Scheme, Chief Minister Annapurna Yojana, along with this, the importance of FSSAI in the State Food Security Index was told. At the end of the program, the head of the department, Dr. Anita Maheshwar told how to spread awareness about food among the people and gave information related to the food schemes running in the year 2023. Gave information related to the importance of traditional grains like Kodo, Kutki, Bajra, Oats, Ragi etc., which provide essential nutrients for physical and mental development. Information and precautions related to how proper storage and preservation should be done after the production of food items were told. At the end of the program, Bhanu Uike was awarded as incentive for his good speech. Department professors Dr. Trilok Dev, Dr. Sonal Mishra, Dr. Keshav Ram Adil, Dr. Kiran Jain and Mr. Mohit Sahu were present in the program.

विश्व खाद्य दिवस
BOTANY DEPARTMENT
वनस्पति शास्त्र विभाग
GPS Map Camera
Google
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RJ+HJG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091664°
Long 81.031126°
16/10/23 03:03 PM GMT +05:30

EXTENSION ACTIVITY

Under the extension activity and MOU activity, the Department of Botany of Government Digvijay Mahavidyalaya organized a national level Rangoli competition in joint aegis of Microbiologist Society India. This competition was organized at inter-school and inter-college level. The topic of inter-school Rangoli competition was Microbial Diseases and the topic of inter-college Rangoli competition was Viral Diseases. The main objective of this program is to give information about the diseases caused by microbes and viruses to all the people and to spread awareness among the people about these diseases. At the same time, the creative qualities are to be developed in the students and skills are to be developed in them.

In this awareness program, MOU activity/extension activity was conducted with the following 5 institutions:

1. Microbiologist Society India

2. Government Kamala Devi Rathi PG College, Rajnandgaon

3. Government Shivnath Science College, Rajnandgaon

4. Confluence College Rajnandgaon

5. Royal College Rajnandgaon

In this awareness program, extension activity was conducted with the following 5 institutions:

1. Neeraj Public School Rajnandgaon

2. Wesleyan English Medium Higher Secondary School Rajnandgaon

3. Wesleyan Hindi Medium Higher Secondary School Rajnandgaon

4. Government Model Multi. Higher Secondary School Rajnandgaon

5. Government M.L.B. Higher Secondary School Rajnandgaon

Thus, MOU activity/extension activity was successfully organized with a total of 10 institutions in which 314 participants participated.

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
क्र.
दि.
राजनांदगांव (छ.ग.)

Principal
Govt. Digvijay Auto. PG College,
Rajnandgaon